**भारत सरकार**

**श्रम और रोजगार मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या- 3298**

**गुरुवार, 21 अगस्त, 2025/30 श्रावण, 1947 (शक)**

**एआई के कारण बढ़ती बेरोजगारी**

**3298 # श्री संजय सिह:**

क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के कारण उत्पन्न होने वाली बेरोजगारी की संभावित समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कार्य योजना तैयार की है, यदि हाँ, तो उक्त कार्य योजना की मुख्य विशेषताएं क्या हैं और इसके कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति क्या है, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या सरकार के पास अगले दस वर्षो में एआई के कारण विभिन्न क्षेत्रों में समाप्त हो जाने की संभावना वाली नौकरियों की संख्या के बारे में कोई पूर्वानुमान या आकलन है, तत्संबंधी क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार एआई से संबंधित रोजगार के कितने नए अवसर सृजित करने की योजना बना रही है?

**उत्तर**

**श्रम और रोजगार राज्य मंत्री**

**(सुश्री शोभा कारान्दलाजे)**

**(**क) से (ग): सरकार ने मार्च 2024 में भारत एआई मिशन शुरू किया है जिसका उद्देश्य एक रणनीतिक पहल के रूप में भारत के विकास लक्ष्यों के अनुरूप एक मज़बूत और समावेशी एआई इको सिस्टम स्थापित करना है। इस मिशन का उद्देश्य नवाचार तथा घरेलू क्षमताओं को बढ़ाकर और देश की तकनीकी संप्रभुता सुनिश्चित करके भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में एक वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करना है।

नैसकॉम की अगस्त 2024 में प्रकाशित "एडवांसिंग इंडियाज एआई स्किल्स" रिपोर्ट के अनुसार, भारत में एआई प्रतिभा के 6 लाख-6.5 लाख पेशेवरों से वर्ष 2027 तक 15 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से 12.50 लाख से अधिक बढ़ने की उम्मीद है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से डेटा साइंस, डेटा क्यूरेशन आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार सृजन होगा। अब तक, एआई/बिग डेटा एनालिटिक्स प्रौद्योगिकियों के 3.20 लाख अभ्यर्थियों सहित 8.65 लाख अभ्यर्थियों ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकन/प्रशिक्षण लिया है। इसके अतिरिक्त, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई**)** ने

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित 10 नई/उभरती प्रौद्योगिकियों में रोजगार के लिए आईटी कर्मियों की री-स्किलिंग/अप-स्किलिंग के लिए ' फ्यूचर स्किल्स प्राइम' कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्यक्रम के तहत अब तक 18.56 लाख से अधिक उम्मीदवार फ्यूचर स्किल्स प्राइम पोर्टल पर जुड़े हैं, जिनमें से 3.37 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने अपना कोर्स पूरा कर लिया है।

इसके अलावा, एमईआईटीवाई द्वारा नासकॉम की साझेदारी से कार्यान्वित, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए उत्कृष्टता केंद्र योजना के तहत, स्टार्टअप्स को विनिर्माण कंपनियों के उपयोग हेतु एआई आधारित टूल और एप्लिकेशन विकसित करने के लिए सहायता दी जाती है। विनिर्माण क्षेत्र में कंपनियों द्वारा ऐसे कई उपाय प्रयोग किए गए हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (एनईजीडी), एमईआईटीवाई ने अपने साझेदारों के साथ मिलकर स्कूली छात्रों के लिए 'युवाआई: एआई के साथ युवाओं की उन्नति और विकास' नामक एक राष्ट्रीय कार्यक्रम लागू किया है जिसका उद्देश्य कक्षा 8वीं से 12वीं तक के स्कूली छात्रों को समावेशी तरीके से एआई तकनीक और सामाजिक कौशल प्रदान करना है। यह कार्यक्रम युवाओं को 8 विषयक क्षेत्रों- कृषि, आरोग्य, शिक्षा, पर्यावरण, परिवहन, ग्रामीण विकास, स्मार्ट सिटी तथा विधि और न्याय में एआई कौशल सीखने और प्रयोग करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

भारत सरकार का श्रम और रोजगार मंत्रालय, राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल चला रहा है, जो निजी और सरकारी क्षेत्रों की नौकरियों की जानकारी, ऑनलाइन और ऑफलाइन रोजगार मेलों की जानकारी, नौकरी खोज और मिलान, करियर परामर्श, व्यावसायिक मार्गदर्शन, कौशल विकास पाठ्यक्रमों की जानकारी, रोजगार क्षमता वृद्धि कार्यक्रम आदि सहित करियर से संबंधित सेवाएं एक डिजिटल प्लेटफॉर्म [www.ncs.gov.in] के माध्यम से प्रदान करने के लिए वन-स्टॉप समाधान है। दिनांक 14.07.2025 तक, एनसीएस पोर्टल पर 6.43 करोड़ से अधिक रिक्तियां जुटाई गई हैं।

*****